DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM & MARKING SCHEME

B.A. PART – I, II, III
SANSKRIT

SESSION : 2019-20

ESTD: 1958

GOVT. V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE, DURG, 491001 (C.G.)

(Former Name – Govt. Arts & Science College, Durg)

NAAC Accredited Grade A+, College with CPE - Phase III (UGC), STAR COLLEGE (DBT)

Phone : 0788-2212030

Website - www.govtsciencecollegedurg.ac.in, Email – autonomousdurg2013@gmail.com

बी.ए. प्रथम वर्ष

संस्कृत साहित्य

प्रथम प्रश्नपत्र

टीप – बी.ए. प्रथम वर्ष में संस्कृत साहित्य के दो प्रश्न–पत्र होंगें एवं दोनों प्रश्न –पत्र 75– 75 अंकों के होंगें ।

नाटक, व्याकरण और अनुवाद पूर्णांक – 75

इकाई –1	स्वप्नवासवदत्तम् – व्याख्या	अंक – 15
इकाई –2	स्वप्नवासवदत्तम् – समीक्षात्मक प्रश्न	अंक – 15
इकाई –3	1. सुबन्त (शब्दरूप) – राम, मुनि, भानु, पितृ, करिन्, कर्तृ, आत्मन्, लता, मति, नदी, धेनु, मातृ, फल, वारि, सर्व, तद्, एतद्, यद्, इदम्, अस्मद्, युष्मद् । 2. तिङन्त (धातुरूप) – भ्वादि, दिवादि, तुदादि, चुरादि गण के अतिरिक्त अस् एवं कृ धातुओं के लट्, लृट्, लङ्, लोट् एवं विधिलिङ् लकारों के रूप 3. अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न	अंक – 15

नोट– शब्द रूप एवं धातु रूप के विकल्प के रूप में अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न भी पूछे जा सकते है ।

इकाई –4	प्रत्याहार, संज्ञा, सन्धि और विभक्त्यर्थ	अंक – 15
इकाई –5	हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद	अंक – 15

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. रचनानुवाद कौमुदी – डा. कपिलदेव द्विवेदी
2. संस्कृतस्य व्यावहारिकस्वरूपम् – डा. नरेन्द्र, श्री अरविन्द आश्रम
3. संस्कृतव्याकरण – श्रीधर वसिष्ठ
4. संस्कृत में अनुवाद कैसे करें – उमाकान्त मिश्र शास्त्री, प्रकाशक – भारती भवन
5. लघु सिद्धान्त कौमुदी – श्री महेश सिंह कुशवाहा, प्रकाशक – चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

Vaibhav

31/05/19

(ध्यान सिंह वर्मा)

बी.ए. प्रथम वर्ष

संस्कृत साहित्य

द्वितीय प्रश्नपत्र

गद्य, कथा एवं साहित्येतिहास पूर्णांक – 75

इकाई –1	शुकनासोपदेशः – व्याख्या	अंक – 15
इकाई –2	हितोपदेशः (मित्रलाभः) – व्याख्या	अंक – 15
इकाई –3	शुकनासोपदेश एवं हितोपदेश के समीक्षात्मक प्रश्न	अंक – 15
इकाई –4	वैदिक एवं पौराणिक साहित्य का सामान्य परिचय (वेद, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्, वेदांगों एवं पुराणों का संक्षिप्त परिचय)	अंक – 15
इकाई –5	निम्नलिखित कवियों का परिचय – महाकवि कालिदास, भारवि, माघ, श्रीहर्ष, विशाखदत्त, बाणभट्ट, शूद्रक, विशाखदत्त, भवभूति ।	अंक – 15

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. शुकनासोपदेश – प्रकाशक – मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
2. हितोपदेश (मित्रलाभ) – प्रकाशक – मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
3. वैदिक साहित्य और संस्कृति – आचार्य बलदेव उपाध्याय
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय
5. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास – डा. राधावल्लभ त्रिपाठी, वि.वि. प्रकाशन, सागर, म.प्र.

Vaibhav

31/05/19

संस्कृत विभाग

शासकीय व्ही.वाय.टी. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

बोर्ड आफ स्टडी के सदस्यों द्वारा अनुमोदित वार्षिक सत्र : 2019-20 के
बी.ए.संस्कृत(I, II, III) का पाठ्यक्रम

इस पाठ्यक्रम में निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकें होंगी :-

बी.ए. I :

पेपर I : विषय	नाटक, व्याकरण एवं अनुवाद	पेपर II : विषय	गद्य, कथा एवं साहित्येतिहास

बी.ए. II :

पेपर I : विषय	नाटक, व्याकरण तथा रचना	पेपर II : विषय	पद्य काव्य तथा साहित्येतिहास

बी.ए. III :

पेपर I : विषय	नाटक, छन्द तथा व्याकरण	पेपर II : विषय	काव्य, अलंकार एवं निबंध

उपरोक्त बी.ए.संस्कृत (I, II, III) पाठ्यक्रम वर्ष 2019-20 हेतु एतद्द्वारा अनुमोदित किया जाता है |

नाम एवं हस्ताक्षर

	अन्य विभागीय सदस्य
अध्यक्ष जनेन्द्र कुमार	1. ध्यानसिंह वर्मा ....
विषय विशेषज्ञ डॉ. सुषमा तिवारी	
विषय विशेषज्ञ डॉ. सत्येन्दु शर्मा	रवि वर्मा Ravi Verma
विषय विशेषज्ञ डॉ. वैभव कान्हे Vaibhav	

संस्कृत विभाग

शासकीय व्ही.वाय.टी. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

बोर्ड आफ स्टडी के सदस्यों द्वारा अनुमोदित वार्षिक सत्र : 2019-20 के बी.ए.संस्कृत (,,) का पाठ्यक्रम

इस पाठ्यक्रम में निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकें होंगी :-

बी.ए. I :

पेपर I : विषय	नाटक, व्याकरण एवं अनुवाद	पेपर II : विषय	गद्य, कथा एवं साहित्येतिहास

बी.ए. II :

पेपर I : विषय	नाटक, व्याकरण तथा रचना	पेपर II : विषय	पद्य काव्य तथा साहित्येतिहास

बी.ए. III :

पेपर I : विषय	नाटक, छन्द तथा व्याकरण	पेपर II : विषय	काव्य, अलंकार एवं निबंध

उपरोक्त बी.ए.संस्कृत (,,)का पाठ्यक्रम वर्ष 2019-20 हेतु एतद्द्वारा अनुमोदित किया जाता है |

नाम एवं हस्ताक्षर

	अन्य विभागीय सदस्य
अध्यक्ष ..... जनेन्द्र कुमार पीव्रम	1.
विषय विशेषज्ञ डॉ. सुभगा तिवारी	..... ध्यानसिंह वर्मा .....
विषय विशेषज्ञ डा. सत्येन्द्र शर्मा	
विषय विशेषज्ञ ..... ॐ वैभव काम्हे Vaibhav	रवि वर्मा Ravi Verma

बी.ए. प्रथम वर्ष हेतु पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन योजना

सत्र : 2019-20

पेपर क्रमाँक	पेपर का शीर्षक	सैद्धांतिक में अंकों का आवंटन	
		अधिकतम	न्यूनतम
I	नाटक, व्याकरण और अनुवाद	75	25
II	गद्य, कथा एवं साहित्येतिहास	75	25
	कुल	150	50

I / II सैद्धांतिक पत्र – 150

कुल अंक -150

नाम एवं हस्ताक्षर

	अन्य विभागीय सदस्य
अध्यक्ष जनेन्द्र कुमार दीक्षित	1.
विषय विशेषज्ञ डॉ. सुषमा तिवारी	धानसिंह वर्मा
विषय विशेषज्ञ डा. सत्येन्द्र शर्मा	
विषय विशेषज्ञ डॉ वैभव काहे Vaibhav	वि वर्मा Ravi Varma

बी.ए. द्वितीय वर्ष हेतु पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन योजना

सत्र : 2019-20

पेपर क्रमाँक	पेपर का शीर्षक	सैद्धांतिक में अंकों का आवंटन	
		अधिकतम	न्यूनतम
I	नाटक, व्याकरण और रचना	75	25
II	पद्य काव्य एवं साहित्येतिहास	75	25
	कुल	150	50

I / II सैद्धांतिक पत्र – 150

कुल अंक -150

नाम एवं हस्ताक्षर

अध्यक्ष जनेन्द्र कुमार दीवान ..... विषय विशेषज्ञ डॉ. सुषमा तिवारी ..... विषय विशेषज्ञ डा. सत्येन्द्र शर्मा ..... विषय विशेषज्ञ डॉ वैभव काहे Vaibhav	अन्य विभागीय सदस्य 1. ध्यानसिंह वर्मा इति वर्मा Ravi Verma

बी.ए. तृतीय वर्ष हेतु पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन योजना

सत्र : 2019-20

पेपर क्रमाँक	पेपर का शीर्षक	सैद्धांतिक में अंकों का आवंटन	
		अधिकतम	न्यूनतम
I	नाटक, छंद एवं व्याकरण	75	25
II	काव्य, आलंकार एवं निबंध	75	25
	कुल	150	50

I / II सैद्धांतिक पत्र – 150

कुल अंक -150

नाम एवं हस्ताक्षर

	अन्य विभागीय सदस्य
अध्यक्ष .....धनेन्द्र कुमार.....	1.
विषय विशेषज्ञ डॉ. सुषमा तिवारी	.....धानसिंह वर्मा.....
विषय विशेषज्ञ डा. सत्येन्द्र शर्मा	
विषय विशेषज्ञ डॉ वैभव काम्हे Vaibhav	रवि वर्मा Ravi Verma

बी.ए. - प्रथम वर्ष (संस्कृत)

सत्र : 2019-20

प्रथम प्रश्न पत्र

विषय : नाटक, व्याकरण और अनुवाद

स्नातक पाठ्यक्रमों के लिये केन्द्रीय अध्ययन मंडल अथवा उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ शासन द्वारा विषयवस्तु अथवा अंक विभाजन में किसी तरह के परिवर्तन संबंधी निर्देश जारी किये जाने पर तदनुसार पाठ्यक्रम लागू किया जायेगा।

पूर्णांक- 75

अध्याय : नाटक : इकाई 1

स्वप्नवासवदत्तम् (भासप्रणीतम्)

अध्याय : व्याकरण : इकाई 2

सुबन्त (संज्ञाशब्दरूप) राम, कवि, भानु, पितृ, करिन्, कर्तृ, चन्द्रमस, भगवत्, आत्मन्, लता, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि, मधु, वाच्, और रात्रि, सर्वनाम- सर्व, तद्, एतद्, यद्, इदम्, जगत्, अस्मद तथा युष्मद एक, द्वि, त्रि और चतुर

अध्याय : व्याकरण : इकाई 3

तिङन्त् (धातुरूप) भ्वादि, दिवादि, तुदादि, चुरादि इन चारों वर्गों के घातुओं के लट लृट, लोट एवं लङ एवं विधि लिंङ लकारों तथा अस् एवं कृ घातुओं के सभी लकारों के रूप

अध्याय : व्याकरण : इकाई 4

प्रत्याहार, संज्ञा, संधि और विभक्त्यर्थ

अध्याय : अनुवाद : इकाई 5

हिन्दी के 10 सरल वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद

अनुशंसित ग्रन्थ :

1.	स्वप्नवासवदत्तम्	:	भासप्रणीत
2.	रचनानुवाद कौमुदी	:	डॉ कपिलदेव द्विवेदी
3.	संस्कृतस्य व्यावहारिकस्वरूपम्	:	डॉ. नरेन्द्र, अरविन्द आश्रम्, पाण्डिचेरी
4.	संस्कृतव्याकरण	:	श्रीधर वसिष्ठ

Vaibhav

5.	संस्कृत में अनुवाद कैसे करें	:	उमाकान्त मिश्र शास्त्री, भारती भवन, पटना– 1971
6.	लघुसिद्धान्तकौमुदी	:	श्री शारदा रज्जल रॉय – 1954
7.	संस्कृतनिबन्धरत्नाकर	:	डॉ. शिवप्रसाद भारद्वाज, अशोक प्रकाशन दिल्ली – 1977 (द्वितीय संस्करण)

स्नातक कक्षाओं के लिये प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन

1.स्नातक कक्षाओं के लिये प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन खण्डों क,ख,ग में विभाजित होगा।

2.खण्ड क में अति लघूत्तरी प्रश्न एक या दो वाक्यों मे उत्तर या वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। बहुविकल्पीय प्रश्न नहीं होंगे। रिक्त स्थानों की पूर्ति करो जैसे प्रश्न भी नहीं होंगे।

3.खण्ड ख में लघूत्तरी प्रश्न होंगे जिनका उत्तर 150 शब्दों में देना होगा।

4. खण्ड ग में दीर्घ उत्तरी /निबंधात्मक प्रश्न होंगे। विद्यार्थियों को अधिकतम 350 शब्दों में सटीक उत्तर लिखना होगा।

नोटः–01. जिन प्रश्नपत्रों के पाठ्यकम में साहित्यिक रचना के पाठ सम्मिलित हैं, उनमें अंक विभाजन निम्नांकित प्रारूप के अनुसार होगा–

प्रश्न का प्रकार	पूर्णांक 75 अंक xप्रश्नों की संख्या
क. अति लघूत्तरी प्रश्न	1x10=10
ख. लघूत्तरी प्रश्न	5x5=25
ग. दीर्घउत्तरी प्रश्न	8x5=40

नोट–:2 जिन प्रश्नपत्रों के पाठ्यकम में व्याकरण सम्मिलित हैं उनमें अंक विभाजन का प्रारूप निम्नानुसार होगा–

खण्ड क – यथावत्

खण्ड ख– यथावत्

खण्ड ग – दीर्घ उत्तरी प्रश्न के स्थान पर 04 अंको के 10 व्याकरणात्मक प्रश्न होंगे।

प्रश्न का प्रकार	पूर्णांक 75 अंक xप्रश्नों की संख्या
क. अति लघूत्तरी प्रश्न	1x10=10
ख. लघूत्तरी प्रश्न	5x5=25
ग. दीर्घउत्तरी प्रश्न	4x10=40

नोट 03 जिन प्रश्न पत्रों के पाठ्यक्रम में साहित्यिक पाठ तथा व्याकरण दोनों सम्मिलित हैं, उनका अंक विभाजन प्रारूप निम्नानुसार होगा–

खण्ड क – यथावत्

खण्ड ख– यथावत्

खण्ड ग – दीर्घ उत्तरी प्रश्न के स्थान पर

01. व्याकरण से सम्बन्धित इकाई में से 04 अंकों के 02 व्याकरणात्मक प्रश्न होंगे।

02. साहित्यिक पाठ से सम्बन्धित इकाई में से 08 अंकों का 01 व्याख्यात्मक/दीर्घ उत्तरी प्रश्न होगा।

क. अति लघूत्तरी प्रश्न		1x10=10
ख. लघूत्तरी प्रश्न		5x5=25
ग. दीर्घउत्तरी प्रश्न	साहित्यिक पाठ आधारित प्रश्न	8x5=40
	व्याकरण पर आधारित प्रश्न	4x10=40

नोट 04 प्रश्नपत्र की जिन इकाईयों में निबंध लेखन है , उनमें 15 वाक्यों के निबंध होंगे । कुल 04 विषयों में से दो पर निबंध लिखना होगा।

नोट 05.अर्द्धवार्षिक आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा होगी। इस परीक्षा में प्रत्येक प्रश्नपत्र के प्राप्तांक का 10 प्रतिशत वार्षिक परीक्षा के प्रत्येक प्रश्नपत्र के प्राप्त अंकों के 90 प्रतिशत अंक के साथ जोडा जायेगा।

नाम एवं हस्ताक्षर

अध्यक्ष	अन्य विभागीय सदस्य
.....	1.
विषय विशेषज्ञ	.....
विषय विशेषज्ञ	
विषय विशेषज्ञ	

बी.ए. - प्रथम वर्ष (संस्कृत)

सत्र : 2019-20

द्वितीय प्रश्न पत्र

विषय : गद्य, कथा एवं साहित्येतिहास

स्नातक पाठ्यक्रमों के लिये केन्द्रीय अध्ययन मंडल अथवा उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ शासन द्वारा विषयवस्तु अथवा अंक विभाजन में किसी तरह के परिवर्तन संबंधी निर्देश जारी किये जाने पर तदनुसार पाठ्यक्रम लागू किया जायेगा।

पूर्णांक- 75

इकाई 1

अध्याय : गद्य : शुकनासोपदेश

इकाई 2

अध्याय : कथा : हितोपदेश के मित्रलाभ

इकाई 3

अध्याय : समीक्षा : शुकनासोपदेश और हितोपदेश

इकाई 4

अध्याय : साहित्येतिहास : संस्कृत नाटक और कथा साहित्य का इतिहास

इकाई 5

अध्याय : कवि परिचय : प्रमुख कवियों का परिचय महाकवि कालिदास, महाकवि माघ महाकवि भारवि, महाकवि श्रीहर्ष एवं महाकवि अम्बिकादत्त- व्यास

अनुशंसित ग्रन्थ :

1.	संस्कृतसाहित्य का अभिनव इतिहास	:	श्री राधा वल्लभ त्रिपाठी, वि.वि. प्रकाशन, सागर
2.	संस्कृतसाहित्य का इतिहास	:	पं. बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन,वाराणसी
3.	हितोपदेश मित्रलाभ	:	मोतीलाल बनारसीदास काशी अथवा चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
4.	हितोपदेश मित्रलाभ	:	डॉ. महेशचन्द्र शर्मा, छ.ग.राज्य हिन्दी ग्रंथ अकादमी, रायपुर (छ.ग.)
5.	शुकनासोपदेश	:	डॉ. महेशचन्द्र शर्मा, छ.ग.राज्य हिन्दी ग्रंथ अकादमी, रायपुर (छ.ग.)

स्नातक कक्षाओं के लिये प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन

1.स्नातक कक्षाओं के लिये प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन खण्डों अ,ब,स में विभाजित होगा।

2.खण्ड अ में अति लघूत्तरी प्रश्न एक या दो वाक्यों मे उत्तर या वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। बहुविकल्पीय प्रश्न नहीं होंगे।रिक्त स्थानों की पूर्ति करो जैसे प्रश्न भी नहीं होंगे।

3.खण्ड ब में लघूत्तरी प्रश्न होंगे जिनका उत्तर 150 शब्दों में देना होगा।

4. खण्ड स में दीर्घ उत्तरी /निबंधात्मक प्रश्न होंगे। विद्यार्थियों को अधिकतम 350 शब्दों में सटीक उत्तर लिखना होगा।

5.प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन निम्नानुसार होगा

जिन प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रम में साहित्यिक रचना के पाठ सम्मिलित हैं, उनमें अंक विभाजन निम्नांकित प्रारूप के अनुसार होगा–

प्रश्न का प्रकार	पूर्णांक 75 अंक xप्रश्नों की संख्या
क. अति लघूत्तरी प्रश्न	1x10=10
ख. लघूत्तरी प्रश्न	5x5=25
ग. दीर्घउत्तरी प्रश्न	8x5=40

नोटः– जिन प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रम में व्याकरण सम्मिलित हैं उनमें अंक विभाजन का प्रारूप निम्नानुसार होगा–

खण्ड क – यथावत्

खण्ड ख– यथावत्

खण्ड ग – दीर्घ उत्तरी प्रश्न के स्थान पर 10 अंको के 10 व्याकरणात्मक प्रश्न होंगे।

जिन प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रम में साहित्यिक पाठ तथा व्याकरण दोनों सम्मिलित हैं, उनका अंक विभाजन प्रारूप निम्नानुसार होगा–

प्रश्नपत्र की जिन इकाईयों में साहित्यिक पाठ सम्मिलित हैं, उनमें अंक विभाजन निम्नानुसार होगा–

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न– 01 अंक

प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न– 01 अंक

प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न– 05 अंक

अथवा लघूत्तरी प्रश्न– 05 अंक

प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न– 08 अंक

अथवा दीर्घ उत्तरी प्रश्न– 08 अंक

प्रश्नपत्र की जिन इकाईयों में व्याकरण सम्मिलित हैं , उनमें अंक विभाजन निम्नानुसार होगा–

प्रश्न 1.. अति लघूत्तरी प्रश्न– 01 अंक

प्रश्न 2... अति लघूत्तरी प्रश्न– 01 अंक

प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न– 05 अंक

अथवा लघूत्तरी प्रश्न– 05 अंक

प्रश्न 4. व्याकरणिक प्रश्न– 08 अंक

प्रश्नपत्र की जिन इकाईयों में निबंध लेखन है , उनमें 15 वाक्यों के निबंध होंगे। कुल 04 विषयों में से दो पर निबंध लिखना होगा।

5.अर्द्धवार्षिक आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा होगी। इस परीक्षा में प्रत्येक प्रश्नपत्र के प्राप्तांक का 10 प्रतिशत वार्षिक परीक्षा के प्रत्येक प्रश्नपत्र के प्राप्त अंकों के साथ जोडा जायेगा।

नाम एवं हस्ताक्षर

	अन्य विभागीय सदस्य
अध्यक्ष .....जनेन्द्र कुमार दीक्षित.....	1. .....धानसिंह वर्मा.....
विषय विशेषज्ञ डॉ. सुषमा तिवारी	
विषय विशेषज्ञ डा. सत्येन्द्र शर्मा	
विषय विशेषज्ञ ..... डॉ वैभव काम्हे Vaibhav	2वि वर्मा Ravi Verma

बी.ए. - द्वितीय वर्ष (संस्कृत)

सत्र : 2019-20

प्रथम प्रश्न पत्र

विषय : नाटक, व्याकरण तथा रचना

स्नातक पाठ्यक्रमों के लिये केन्द्रीय अध्ययन मंडल अथवा उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ शासन द्वारा विषयवस्तु अथवा अंक विभाजन में किसी तरह के परिवर्तन संबंधी निर्देश जारी किये जाने पर तदनुसार पाठ्यक्रम लागू किया जायेगा।

पूर्णांक- 75

इकाई 1

अध्याय : नाटक : नागानन्द (श्रीहर्षकृत)

इकाई 2

अध्याय : समीक्षा : नागानन्द

इकाई 3

अध्याय : व्याकरण (वाच्य) : लघुसिद्धान्त कौमुदी : कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य एवं भाववाच्य ।

इकाई 4

अध्याय : व्याकरण : लघुसिद्धान्त कौमुदी : समास प्रकरण

इकाई 5

अध्याय : वाक्य रचना : व्याकरण के अधीत अंश पर आधारित पांच संस्कृत शब्दों से वाक्य रचना

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. शीघ्रबोधव्याकरणम् : डॉ. पुष्पा दीक्षित, पाणिनीय शोध संस्थान,तेलीपारा, बिलासपुर
2. नागानन्द नाटक : श्री हर्षरचित, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
3. लघुसिद्धान्त कौमुदी : श्री घरानन्द शास्त्री
4. रचनानुवाद कौमुदी : डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
5. संस्कृत में अनुवाद कैसे करें : उमाकान्त मिश्र शास्त्री, भारती भवन, पटना

स्नातक कक्षाओं के लिये प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन

1.स्नातक कक्षाओं के लिये प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन खण्डों अ,ब,स में विभाजित होगा।

2.खण्ड अ में अति लघूत्तरी प्रश्न एक या दो वाक्यों मे उत्तर या वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। बहुविकल्पीय प्रश्न नहीं होंगे।रिक्त स्थानों की पूर्ति करो जैसे प्रश्न भी नहीं होंगे।

3.खण्ड ब में लघूत्तरी प्रश्न होंगे जिनका उत्तर 150 शब्दों में देना होगा।

4. खण्ड स में दीर्घ उत्तरी /निबंधात्मक प्रश्न होंगे। विद्यार्थियों को अधिकतम 350 शब्दों में सटीक उत्तर लिखना होगा।

5.प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन निम्नानुसार होगा

जिन प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रम में साहित्यिक रचना के पाठ सम्मिलित हैं, उनमें अंक विभाजन निम्नांकित प्रारूप के अनुसार होगा–

प्रश्न का प्रकार	पूर्णांक 75 अंक xप्रश्नों की संख्या
क. अति लघूत्तरी प्रश्न	1x10=10
ख. लघूत्तरी प्रश्न	5x5=25
ग. दीर्घउत्तरी प्रश्न	8x5=40

नोटः– जिन प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रम में व्याकरण सम्मिलित हैं उनमें अंक विभाजन का प्रारूप निम्नानुसार होगा–

खण्ड क – यथावत्

खण्ड ख– यथावत्

खण्ड ग – दीर्घ उत्तरी प्रश्न के स्थान पर 10 अंको के 10 व्याकरणात्मक प्रश्न होंगे।

जिन प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रम में साहित्यिक पाठ तथा व्याकरण दोनों सम्मिलित हैं, उनका अंक विभाजन प्रारूप निम्नानुसार होगा–

प्रश्नपत्र की जिन इकाईयों में साहित्यिक पाठ सम्मिलित हैं, उनमें अंक विभाजन निम्नानुसार होगा–

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न– 01 अंक

प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न– 01 अंक

प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न– 05 अंक

अथवा लघूत्तरी प्रश्न– 05 अंक

प्रश्न 4. दीर्घ ऊत्तरी प्रश्न– 08 अंक

अथवा दीर्घ उत्तरी प्रश्न– 08 अंक

प्रश्नपत्र की जिन इकाईयों में व्याकरण सम्मिलित हैं , उनमें अंक विभाजन निम्नानुसार होगा–

प्रश्न 1.. अति लघूत्तरी प्रश्न– 01 अंक

प्रश्न 2... अति लघूत्तरी प्रश्न– 01 अंक

प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न– 05 अंक

अथवा लघूत्तरी प्रश्न– 05 अंक

प्रश्न 4. व्याकरणिक प्रश्न– 08 अंक

प्रश्नपत्र की जिन इकाईयों में निबंध लेखन है , उनमें 15 वाक्यों के निबंध होंगे । कुल 04 विषयों में से दो पर निबंध लिखना होगा।

5.अर्द्धवार्षिक आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा होगी। इस परीक्षा में प्रत्येक प्रश्नपत्र के प्राप्तांक का 10 प्रतिशत वार्षिक परीक्षा के प्रत्येक प्रश्नपत्र के प्राप्त अंकों के साथ जोडा जायेगा।

नाम एवं हस्ताक्षर

अध्यक्ष ..... विषय विशेषज्ञ ..... विषय विशेषज्ञ ..... विषय विशेषज्ञ	अन्य विभागीय सदस्य 1. .....

बी.ए. - द्वितीय वर्ष (संस्कृत)

सत्र : 2019-20

द्वितीय प्रश्न पत्र

विषय : पद्य, तथा साहित्येतिहास

स्नातक पाठ्यक्रमों के लिये केन्द्रीय अध्ययन मंडल अथवा उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ शासन द्वारा विषयवस्तु अथवा अंक विभाजन में किसी तरह के परिवर्तन संबंधी निर्देश जारी किये जाने पर तदनुसार पाठ्यक्रम लागू किया जायेगा।

पूर्णांक- 75

इकाई 1

अध्याय : पद्य काव्य : रघुवंशमहाकाव्यम्- द्वितीय सर्ग

इकाई 2

अध्याय : समीक्षा : रघुवंशमहाकाव्यम्

इकाई 3

अध्याय : नीतिशतकम् : नीतिशतकम् (भर्तृहरिकृत)

इकाई 4

अध्याय : साहित्येतिहास : महाकाव्य एवं गद्य काव्य -

महाकाव्य : रघुवंश, कुमारसंभवम्, बुद्धचरितम्, सौन्दरनन्द, पद्यचूडामणि, सुग्रीववध,किरातार्जुनीयम, भट्टिकाव्य,जानकीहरण, शिशुपालवध, नैषधीयचरित,हरविजय नवसाहसांकचरित,विक्रमांकदेवचरित, राजतरंगिणी ।

गद्य काव्य : वासवदत्ता, दशकुमारचरित, कादम्बरी, हर्षचरित,तिलकमंजरी, गद्यचिन्तामणि शिवराजविजय ।

इकाई 5

अध्याय : साहित्येतिहास : गीतिकाव्य, मुक्तक तथा कथा साहित्य –

शतकत्रय (भर्तृहरिकृत) ऋतुसंहार, अमरूकशतक, गीतगोविन्द, भामिनीविलास, पंचलहरी, नलचम्पू, रामायणचम्पू, भारतचम्पू, वरदाम्बिकापरिणय, पंचतन्त्र, हितोपदेश, बेतालपंचविंशति, शुकसंप्तति, कथासरित्सागर, वृहत्कथामंजरी, कथामुक्ताबली, इक्षुगन्धा ।

अनुशंसित ग्रन्थ :

1.	रघुवंशमहाकाव्यम् – द्वितीय सर्ग	:	चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
2.	संस्कृत साहित्य का इतिहास	:	पं. बलदेव उपाध्याय
3.	संस्कृत साहित्य का अभिवनव इतिहास	:	डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

स्नातक कक्षाओं के लिये प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन

1.स्नातक कक्षाओं के लिये प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन खण्डों अ,ब,स में विभाजित होगा।

2.खण्ड अ में अति लघूत्तरी प्रश्न एक या दो वाक्यों मे उत्तर या वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। बहुविकल्पीय प्रश्न नहीं होंगे। रिक्त स्थानों की पूर्ति करो जैसे प्रश्न भी नहीं होंगे।

3.खण्ड ब में लघूत्तरी प्रश्न होंगे जिनका उत्तर 150 शब्दों में देना होगा।

4. खण्ड स में दीर्घ उत्तरी /निबंधात्मक प्रश्न होंगे। विद्यार्थियों को अधिकतम 350 शब्दों में सटीक उत्तर लिखना होगा।

5.प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन निम्नानुसार होगाः–

जिन प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रम में साहित्यिक रचना के पाठ सम्मिलित हैं, उनमें अंक विभाजन निम्नांकित प्रारूप के अनुसार होगा–

प्रश्न का प्रकार	पूर्णांक 75 अंक xप्रश्नों की संख्या
क. अति लघूत्तरी प्रश्न	1x10=10
ख. लघूत्तरी प्रश्न	5x5=25
ग. दीर्घउत्तरी प्रश्न	8x5=40

नोटः– जिन प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रम में व्याकरण सम्मिलित हैं उनमें अंक विभाजन का प्रारूप निम्नानुसार होगा–

खण्ड क – यथावत्

खण्ड ख– यथावत्

खण्ड ग – दीर्घ उत्तरी प्रश्न के स्थान पर 10 अंको के 10 व्याकरणात्मक प्रश्न होंगे।

जिन प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रम में साहित्यिक पाठ तथा व्याकरण दोनों सम्मिलित हैं, उनका अंक विभाजन प्रारूप निम्नानुसार होगा–

Vaibhav

प्रश्नपत्र की जिन इकाईयों में साहित्यिक पाठ सम्मिलित हैं, उनमें अंक विभाजन निम्नानुसार होगा–

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न– 01 अंक

प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न– 01 अंक

प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न– 05 अंक

अथवा लघूत्तरी प्रश्न– 05 अंक

प्रश्न 4. दीर्घ उूत्तरी प्रश्न– 08 अंक

अथवा दीर्घ उत्तरी प्रश्न– 08 अंक

प्रश्नपत्र की जिन इकाईयों में व्याकरण सम्मिलित हैं , उनमें अंक विभाजन निम्नानुसार होगा–

प्रश्न 1.. अति लघूत्तरी प्रश्न– 01 अंक

प्रश्न 2... अति लघूत्तरी प्रश्न– 01 अंक

प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न– 05 अंक

अथवा लघूत्तरी प्रश्न– 05 अंक

प्रश्न 4. व्याकरणिक प्रश्न– 08 अंक

प्रश्नपत्र की जिन इकाईयों में निबंध लेखन है , उनमें 15 वाक्यों के निबंध होंगे । कुल 04 विषयों में से दो पर निबंध लिखना होगा।

6.अर्द्धवार्षिक आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा होगी। इस परीक्षा में प्रत्येक प्रश्नपत्र के प्राप्तांक का 10 प्रतिशत वार्षिक परीक्षा के प्रत्येक प्रश्नपत्र के प्राप्त अंकों के साथ जोडा जायेगा।

नाम एवं हस्ताक्षर

	अन्य विभागीय सदस्य
अध्यक्ष .....जनेन्द्र कुमार दीवान.....	1. .....धानसिंह वर्मा.....
विषय विशेषज्ञ .....डॉ. सुषमा तिवारी.....	
विषय विशेषज्ञ डा. सत्येन्दु शर्मा	
विषय विशेषज्ञ .....डॉ वैभव कांहे Vaibhav	2वि वर्मा Ravi Verma

बी.ए. - तृतीय वर्ष (संस्कृत)

सत्र : 2019-20

प्रथम प्रश्न पत्र

विषय : नाटक, छन्द तथा व्याकरण

स्नातक पाठ्यक्रमों के लिये केन्द्रीय अध्ययन मंडल अथवा उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ शासन द्वारा विषयवस्तु अथवा अंक विभाजन में किसी तरह के परिवर्तन संबंधी निर्देश जारी किये जाने पर तदनुसार पाठ्यक्रम लागू किया जायेगा।

पूर्णांक- 75

इकाई 1

अध्याय : नाटक : अभिज्ञानशाकुन्तलम् (कालिदासकृत)

इकाई 2

अध्याय : समीक्षा : अभिज्ञानशाकुन्तलम्

इकाई 3

अध्याय : छन्द : निर्धारित छन्दों के लक्षण तथा उदाहरण

अनुष्टुप, इन्द्रवज्रा, उपवेन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थ, आर्या, मालिनी, शिखरिणी, वसन्ततिलका, शार्दूलविक्रीडित, स्त्रग्धरा, मन्दाक्रान्ता ।

इकाई 4

अध्याय : व्याकरण : लघुसिद्धान्त कौमुदी -

कृदन्त प्रकरण - तव्यत्, अनीयर, यत्, क्यप्, शतृ, शानच्, क्तवा, ल्यप्, तुमुन्, क्त, क्तवतु, ण्वुल, तृच्, ल्युट्, अण्

इकाई 5

अध्याय : व्याकरण : लघुसिद्धान्त कौमुदी-

1. **तद्धित प्रत्यय** - अण्, ढक्, ष्यम्, त्व, तढक्, इमनिच्, अयम्, मतुप्, इनि, इतच्, ईयसुन, इष्ठन्, तमय्, तरप्, ण्य, ययम्
2. **स्त्री प्रत्यय** - टाप्, ङीप्, ङीष्, ङीन् ।

Vaibhav Ravi Verma

अनुशंसित ग्रन्थ :

1.	अभिज्ञानशाकुन्तलम्	:	महाकवि कालिदासरचित, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
2.	शीघ्रबोधव्याकरणम्	:	डॉ. पुष्पा दीक्षित, पाणिनीय शोध संस्थान,तेलीपारा, बिलासपुर
3.	लघुसिद्धान्त कौमुदी	:	श्री घरानंद शास्त्री
4.	संस्कृत हिन्दी कोश	:	वामन शिवराम आपटे
5.	छन्दोमंजरी	:	चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी

स्नातक कक्षाओं के लिये प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन

1.स्नातक कक्षाओं के लिये प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन खण्डों अ,ब,स में विभाजित होगा।

2.खण्ड अ में अति लघूत्तरी प्रश्न एक या दो वाक्यों मे उत्तर या वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। बहुविकल्पीय प्रश्न नहीं होंगे। रिक्त स्थानों की पूर्ति करो जैसे प्रश्न भी नहीं होंगे।

3.खण्ड ब में लघूत्तरी प्रश्न होंगे जिनका उत्तर 150 शब्दों में देना होगा।

4. खण्ड स में दीर्घ उत्तरी /निबंधात्मक प्रश्न होंगे। विद्यार्थियों को अधिकतम 350 शब्दों में सटीक उत्तर लिखना होगा।

5.प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन निम्नानुसार होगाः–

जिन प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रम में साहित्यिक रचना के पाठ सम्मिलित हैं, उनमें अंक विभाजन निम्नांकित प्रारूप के अनुसार होगा–

प्रश्न का प्रकार	पूर्णांक 75 अंक xप्रश्नों की संख्या
क. अति लघूत्तरी प्रश्न	1x10=10
ख. लघूत्तरी प्रश्न	5x5=25
ग. दीर्घउत्तरी प्रश्न	8x5=40

नोटः– जिन प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रम में व्याकरण सम्मिलित हैं उनमें अंक विभाजन का प्रारूप निम्नानुसार होगा–

खण्ड क – यथावत्

खण्ड ख– यथावत्

खण्ड ग – दीर्घ उत्तरी प्रश्न के स्थान पर 10 अंको के 10 व्याकरणात्मक प्रश्न होंगे।

जिन प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रम में साहित्यिक पाठ तथा व्याकरण दोनों सम्मिलित हैं, उनका अंक विभाजन प्रारूप निम्नानुसार होगा–

प्रश्नपत्र की जिन इकाईयों में साहित्यिक पाठ सम्मिलित हैं, उनमें अंक विभाजन निम्नानुसार होगा–

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न– 01 अंक

प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न– 01 अंक

प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न– 05 अंक

अथवा लघूत्तरी प्रश्न– 05 अंक

प्रश्न 4. दीर्घ ऊत्तरी प्रश्न– 08 अंक

अथवा दीर्घ उत्तरी प्रश्न– 08 अंक

प्रश्नपत्र की जिन इकाईयों में व्याकरण सम्मिलित हैं , उनमें अंक विभाजन निम्नानुसार होगा–

प्रश्न 1.. अति लघूत्तरी प्रश्न– 01 अंक

प्रश्न 2... अति लघूत्तरी प्रश्न– 01 अंक

प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न– 05 अंक

अथवा लघूत्तरी प्रश्न– 05 अंक

प्रश्न 4. व्याकरणिक प्रश्न– 08 अंक

प्रश्नपत्र की जिन इकाईयों में निबंध लेखन है , उनमें 15 वाक्यों के निबंध होंगे । कुल 04 विषयों में से दो पर निबंध लिखना होगा।

6.अर्द्धवार्षिक आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा होगी।इस परीक्षा में प्रत्येक प्रश्नपत्र के प्राप्तांक का 10 प्रतिशत वार्षिक परीक्षा के प्रत्येक प्रश्नपत्र के प्राप्त अंकों के साथ जोडा जायेगा।

नाम एवं हस्ताक्षर

अध्यक्ष .....जनेन्द्र कुमार दीवान..... विषय विशेषज्ञ डॉ. सुषमा तिवारी ..... विषय विशेषज्ञ डा. सत्येन्द्र शर्मा ..... विषय विशेषज्ञ .....डॉ वैभव काम्हे Vaibhav	अन्य विभागीय सदस्य 1. .....धानसिंह वर्मा.....

बी.ए. - तृतीय वर्ष (संस्कृत)

सत्र : 2019-20

द्वितीय प्रश्न पत्र

विषय : काव्य, अलंकार एवं निबंध

स्नातक पाठ्यक्रमों के लिये केन्द्रीय अध्ययन मंडल अथवा उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ शासन द्वारा विषयवस्तु अथवा अंक विभाजन में किसी तरह के परिवर्तन संबंधी निर्देश जारी किये जाने पर तदनुसार पाठ्यक्रम लागू किया जायेगा।

पूर्णांक- 75

इकाई 1

अध्याय : **काव्य** : किरातार्जुनीयम् महाकाव्य (भारविकृत) प्रथम सर्ग

इकाई 2

अध्याय : **समीक्षा** : किरातार्जुनीयम्

इकाई 3

अध्याय : **मूलरामायणम्** : वाल्मीकिकृत

इकाई 4

अध्याय : **अलंकार** : उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अर्थान्तरन्यास, स्वाभावोक्ति,काव्यलिंङ्ग अतिश्योक्ति, दीपक, विभावना, विशेषोक्ति, अपह्नुति, दृष्टांत, प्रतिवस्तूपमा, निदर्शना, यमक, शब्दश्लेष, अनुप्रास, अनन्वय, ससन्देह, भ्रांतिमान् ।

टिप्पणी : अलंकारों के लक्षण- चन्द्रलोक, साहित्य दर्पण, अथवा काव्य प्रकाश नामक ग्रन्थ से अध्येतव्य है। उदाहरण- पाठ्यक्रमों में दिए गए पुस्तकों से भी दिये जा सकते हैं ।

इकाई 5

अध्याय : **निबन्ध** : (संस्कृत भाषा में) 15 वाक्यों में ।

टिप्पणी : निबन्ध, समीक्षात्मक अथवा विश्लेषणात्मक न होकर वर्णनात्मक पूछे जायेंगे।

अनुशंसित ग्रन्थ :

1.	किरातार्जुनीयम् – प्रथम सर्ग	:	भारविकृत
2.	संस्कृत निबन्ध शतकम्	:	डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
3.	निबन्ध पारिजात	:	डॉ. रजनीकांत लहरी, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
4.	रचनानुवाद कौमुदी	:	डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
5.	प्रबन्ध रत्नाकर	:	डॉ. रमेशचन्द्र शुक्ल, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
6.	मूलरामायणम् –वाल्मीकिकृत	:	चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी

स्नातक कक्षाओं के लिये प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन

1.स्नातक कक्षाओं के लिये प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन खण्डों अ,ब,स में विभाजित होगा।

2.खण्ड अ में अति लघूत्तरी प्रश्न एक या दो वाक्यों मे उत्तर या वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। बहुविकल्पीय प्रश्न नहीं होंगे।रिक्त स्थानों की पूर्ति करो जैसे प्रश्न भी नहीं होंगे।

3.खण्ड ब में लघूत्तरी प्रश्न होंगे जिनका उत्तर 150 शब्दों में देना होगा।

4. खण्ड स में दीर्घ उत्तरी /निबंधात्मक प्रश्न होंगे। विद्यार्थियों को अधिकतम 350 शब्दों में सटीक उत्तर लिखना होगा।

5.प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन निम्नानुसार होगाः–

जिन प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रम में साहित्यिक रचना के पाठ सम्मिलित हैं, उनमें अंक विभाजन निम्नांकित प्रारूप के अनुसार होगा–

प्रश्न का प्रकार	पूर्णांक 75 अंक xप्रश्नों की संख्या
क. अति लघूत्तरी प्रश्न	1x10=10
ख. लघूत्तरी प्रश्न	5x5=25
ग. दीर्घउत्तरी प्रश्न	8x5=40

नोटः– जिन प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रम में व्याकरण सम्मिलित हैं उनमें अंक विभाजन का प्रारूप निम्नानुसार होगा–

खण्ड क – यथावत्

खण्ड ख– यथावत्

खण्ड ग – दीर्घ उत्तरी प्रश्न के स्थान पर 10 अंको के 10 व्याकरणात्मक प्रश्न होंगे।

जिन प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रम में साहित्यिक पाठ तथा व्याकरण दोनों सम्मिलित हैं, उनका अंक विभाजन प्रारूप निम्नानुसार होगा–

प्रश्नपत्र की जिन इकाईयों में साहित्यिक पाठ सम्मिलित हैं, उनमें अंक विभाजन निम्नानुसार होगा–

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न– 01 अंक

प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न– 01 अंक

प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न– 05 अंक

अथवा लघूत्तरी प्रश्न– 05 अंक

प्रश्न 4. दीर्घ उूत्तरी प्रश्न– 08 अंक

अथवा दीर्घ उत्तरी प्रश्न– 08 अंक

प्रश्नपत्र की जिन इकाईयों में व्याकरण सम्मिलित हैं , उनमें अंक विभाजन निम्नानुसार होगा–

प्रश्न 1.. अति लघूत्तरी प्रश्न– 01 अंक

प्रश्न 2... अति लघूत्तरी प्रश्न– 01 अंक

प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न– 05 अंक

अथवा लघूत्तरी प्रश्न– 05 अंक

प्रश्न 4. व्याकरणिक प्रश्न– 08 अंक

प्रश्नपत्र की जिन इकाईयों में निबंध लेखन है , उनमें 15 वाक्यों के निबंध होंगे । कुल 04 विषयों में से दो पर निबंध लिखना होगा।

5.अर्द्धवार्षिक आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा होगी।इस परीक्षा में प्रत्येक प्रश्नपत्र के प्राप्तांक का 10 प्रतिशत वार्षिक परीक्षा के प्रत्येक प्रश्नपत्र के प्राप्त अंकों के साथ जोडा जायेगा।

नाम एवं हस्ताक्षर

अध्यक्ष .....जनेन्द्र कुमार दीक्षित.....	अन्य विभागीय सदस्य 1. .....ध्यानसिंह वर्मा.....
विषय विशेषज्ञ डॉ. सुधमा तिवारी	
विषय विशेषज्ञ डा. सत्येन्द्र शर्मा	
विषय विशेषज्ञ .....डॉ. वैभव काहे Vaibhav	रवि वर्मा Ravi Verma